युवा हस्ताक्षर

शाहजहा

क्रांतिकारी अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल की जयंती को अमृत महोत्सव के नाम से मनाया

■ भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के इतिहास में शाहजहांपुर का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है-प्रहलाद सिंह पटेल

शाहजहांपुर। भारत के अमृत महोत्सव में ऐसी धरती को नमन न किया जाए तो शायद कहीं न कहीं एक चूक होगी। भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के इतिहास में जिला शाहजहांपुर का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। काकोरी काण्ड के अमर शहीद पं० राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, ठाकुर रोशन सिंह आदि ने देश में क्रान्ति की ऐसी अलख जगाई कि अंग्रेजों के छक्के छूट गये। भारत माँ के सच्चे सपूत पं० राम प्रसाद बिस्मिल। यह बात भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री स्वतंत्र प्रभार, प्रहलाद सिंह पटेल ने शहीद उद्यान पार्क में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव के दौरा कही। इससे पूर्व उन्होंने उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संस्कृति, पर्यटन, प्रोटोकॉल एवं धर्मार्थ कार्य विभाग नीलकंठ तिवारी एवं राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, कपिल देव अग्रवाल के साथ संयुक्त रूप से शहीद उद्यान पार्क में अमर शहीद पं० राम प्रसाद बिस्मिल के जन्म दिवस के अवसर पर अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा है कि देश के प्रधान मंत्री, अमृत महोत्सव मनाए जाने का निर्णय इसलिए लिया कि अमृत महोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से अमर शहीदों को याद किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद शाहजहांपुर बिस्मिल की जन्म भूमि नहीं यह उनकी कर्म भूमि है। अशफाक उल्ला खाँ और ठाकुर रोशन सिंह की जन्म भूमि और उनकी कर्म भूमि भी है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी से पूछा जाए कि बिस्मिल जी का शव त्यागने की

जगह कहाँ है तो जवाब कम ही मिलेगा। दो महापुरुषों का जन्म चन्द्रशेखर आजाद एवं पं० राम प्रसाद बिस्मिल का जन्म मध्य प्रदेश में हुआ किन्तु उनका कर्म क्षेत्र उत्तर प्रदेश रहा। उन्होंने कहा कि राम प्रसाद बिस्मिल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी थे। जिन्हें 30 वर्ष की आयु में ब्रिटिश सरकार ने फांसी दे दी। वे मैनपुरी षड्यन्त्र व काकोरी काण्ड जैसी कई घटनाओं में शामिल थे। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संस्कृति, पर्यटन, प्रोटोकॉल एवं धर्मार्थ कार्य विभाग नीलकंठ

तिवारी ने कहा कि ऐसे कम ही उदाहरण मिलते हैं जो साहित्यकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहा हो उनमें अमर शहीद पं० राम प्रसाद बिस्मिल एक है। पं० राम प्रसाद बिस्मिल ने 30 वर्ष की उम्र में ही अपने प्राणों को देश के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने अमृत महोत्सव के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी और कहा कि यह आयोजन पूरे देश में एक संदेश लेकर जाएगा। इस अवसर पर सितार वादन नवीन कुमार मिश्रा द्वारा एवं किस्सागोई हिमांशु बाजपेयी तथा देश भक्ति लोकगीत का प्रस्तुतीकरण किशोर चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

इसके उपरान्त उपरोक्त मंत्री जी द्वारा अमर शहीद पं० राम प्रसाद बिस्मिल के परिवारजनों से मुलाकात की गयी तथा अमर शहीद अशफाक उल्ला खाँ की मजार पर जाकर चादर पोशी की। उन्होंने निर्माणाधीन संग्रहालय का निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद अरुण कुमार सागर, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक एस आनन्द, युवा विकास अधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा आदि उपस्थित रहीं।